प्रश्न-. ''किसी भी देश की राजनीतिक अस्थिरता उसके पड़ोसी देशों को प्रभावित करती है।'' इस कथन के संदर्भ में वर्तमान में नेपाल में आ रहें राजनीतिक बदलाव के कारण इसके भारत पर पड़ने वाले प्रभाव को स्पष्ट करें। (200 शब्द)

"The political instability of any country affects its neighbouring countries." In the context of this statement discuss the effects of ongoing political changes in Nepal on India.

(200 Words)

मॉडल उत्तर

दृष्टिकोण:

- भूमिका में राजनीतिक अस्थिरता को संक्षिप्त में समझायें तथा यह भी बताएं कि राजनीतिक अस्थिरता पड़ोसी देशों को कैसे प्रभावित करती है?
- अगले पैरा में वर्तमान में नेपाल में आ रहे राजनीतिक बदलावों को स्पष्ट करें।
- फिर अगले पैरा में भारत पर इसका क्या प्रभाव पड़ेगा?
- अंत में संतुलित निष्कर्ष दें।

किसी भी देश की राजनीतिक अस्थिरता उसके पड़ोसी देशों की विदेशी नीति को प्रभावित करती है। दक्षिण एशिया में भारत को छोड़कर लगभग सभी देशों में लोकतंत्र को अपेक्षित सफलता नहीं मिली है। नेपाल में यह समस्या कभी राजतंत्र बनाम लोकतंत्र में रूप में दिखती है तो कभी पहाड़ी लोग बनाम तराई लोगों के संघर्ष के रूप में।

संविधान के अनुसार दिसम्बर, 2017 तक नेपाल में आम चुनाव होने हैं, लेकिन इन चुनावों से पहले नेपाल में राजनीतिक बदलाव देखा गया और नेपाल की सभी वामपंथी पार्टियों ने गठबंधन कर लिया है, जो कि अन्य जानकारों के अनुसार यह कहा गया है कि यह वामपंथी गठबंधन चीन के प्रयासों के कारण किया गया है। जैसे-यूएनएमएल (के.पी.ओली) नेपाली (माओ) पार्टी (पुष्पकमल दहल 'प्रचंड') तथा नया नेपाल दल (बाबूराम भट्टाराई) ये तीनों पार्टियाँ एक साथ आ गई है। वहीं नेपाली कांग्रेस स्वयं को इस गठबंधन से मजबूत कर रही हैं तथा अन्य लोकतांत्रिक पार्टियों का एक समूह भी तैयार कर रही है।

भारत पर पड़ने वाले प्रभाव

- मधेशी आंदोलन की वजह से भारत नेपाल सीमा पर नाके बंदी होने से आर्थिक हित प्रभावित तथा नेपाल में पहाड़ी लोगों में भारत विरोधी भावना पनप रही है।
- इस अस्थिरता की वजह से नेपाल में चीन का हस्तक्षेप बढ़ रहा है, जो भारत के लिए सामरिक रूप से उचित नहीं है।
- भारत नेपाल को 'बफर क्षेत्र' के रूप में प्रयोग नहीं कर पाएगा (चीन का अत्यधिक हस्तक्षेप)
- नेपाल में चीन द्वारा इन्फ्रा का निर्माण तथा चीन के बंदरगाह से नेपाल के व्यापार के लिए समझौता किया जा रहा है। इससे भारत के राजस्व में कमी आएगी।

विगत कुछ सालों में चीन की 'डॉलर डिप्लोमेसी, मधेसी समस्या, आपदाओं के प्रभाव के कारण भारत-नेपाल संबंधों में विलगाव का भाव देखा गया।

अंत में संक्षिप्त व संतुलित व सारगर्भित निष्कर्ष लिखें।

नोट:
प्रश्नानुसार उत्तर के सभी बिन्दुओं को समाहित किया गया है, निर्धारित शब्द सीमा में व्यवस्थित कर विश्लेषण कर सकते है।